मैडम की चूत चोद कर माँ बनाने की कहानी-2

“मेरी बॉस मैडम मेरी बाइक पर मेरे कमरे पर आई और मुझे बांहों में भर कर चूमने लगी। उसे चूत चुदाई के मज़े के साथ साथ गर्भ धारण भी करना था, वो बिना कंडोम के चुदी। …”

Story By: Archana Sahu (archanasahu)
Posted: Monday, December 26th, 2016
Categories: ऑफिस सेक्स
Online version: मैडम की चूत चोद कर माँ बनाने की कहानी-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैडम की चूत चोद कर माँ बनाने की कहानी-2

मेरी सेक्स स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा..
स्वीटी मैडम ने मुझसे मेरा कमर दिखाने के लिए कहा।
अब आगे..
नाश्ते के बाद मैडम ने कहा- तुम मुझे अपना रूम दिखाओ।
मेरे मन में लड्डू फूटने लगे, मैंने कहा- तो चलो..

मैंने स्वीटी को अपनी बाइक पर बिठाया और अपने कमरे की तरफ़ चल पड़े।
कुछ ही देर में हम दोनों कमरे पर पहुँच गए।

बॉस मैडम मेरे रूम में

मैंने रूम के पहले कुछ दूरी से चारों तरफ देखा कि कोई है तो नहीं.. फिर बाइक को तेजी के साथ अन्दर ले गया और जल्दी-जल्दी कमरे का ताला खोला और कमरे में अन्दर आ गए।

मेरे कमरे में सिर्फ एक बिस्तर है.. उसके अलावा और कुछ नहीं है। मैंने स्वीटी मैडम को बैठने को कहा और कहा- मैं बाहर से कुछ और खाने का लेकर आ जाता हूँ।

तो उसने कहा- यार अभी तो नाश्ता कर के आए हैं।
मैंने कहा- कोई बात नहीं.. थोड़ा कुछ ले आते हैं।

नाश्ता लाने का तो एक बहाना था असल बात तो मुझे कंडोम लेना था। मैंने दो पैकेट

कंडोम लिए और खाने के लिए कुछ स्वीट ले कर आ गया।

कमरे में आया तो देखा कि स्वीटी मैडम ने अपनी जींस निकाल कर मेरा शॉर्ट्स पहन लिया था और वो बैठी थी।
मैं जैसे ही कमरे में घुसा कि मैडम मुझे अपनी बांहों में भर कर किस करने लगी।
मैंने कहा- जान आज पूरा दिन हमारा है।

मैंने सामान को एक तरफ रखा और सीधे जाकर स्वीटी मैडम को कस कर पकड़ लिया। मैंने अपने होंठों को उसके होंठ से मिला दिए और उसे किस करने लगा।

अब मैडम भी मेरा साथ देने लगी। हम दोनों एक-दूसरे को इस कदर चूम रहे थे जैसे जन्मों से भूखे हों। वो अपने हाथों को मेरी पीठ पर चला रही थी। मैं भी अपने हाथ से उसके चूतड़ों को सहला रहा था। कभी मैं अपनी जीभ उसके मुँह में डालता.. तो कभी वो अपनी जीभ मेरे मुँह में घुसेड़ देती।

मैंने उसको घुमा दिया और किस करते हुए उसके मम्मों को पीछे से दबाने लगा, वो एकदम मदहोश होने लगी।
हम लोग ऐसे ही कई मिनट तक किस करते रहे, फिर मैंने स्वीटी के टॉप को निकाल दिया।
वाह.. क्या नजारा था.. एकदम सफ़ेद दूध की तरह उसके गोरे चूचे काली ब्रा के अन्दर से झांकते हुए बाहर आने को बेताब हो रहे थे।

मैं ब्रा के ऊपर से ही उसके मम्मों को एक हाथ से दबाने मसलने लगा और ऊपर से ही चाटने लगा। उसके मुँह से तो बस ‘उम्म्ह… अहह… हय… याह…’ निकलने लगा।
उसके मुँह से मादक सिसकारियों को सुन कर मुझे और मजा आने लगा।

मैंने कुछ ही पलों बाद उसकी ब्रा को भी निकाल दिया, मैंने देखा कि उसके दोनों दूध एकदम

से उछल कर बाहर आ गए।
मैं एक भूखे की तरह उसके मम्मों पर टूट पड़ा, एक को मुँह में भर कर चूसने लगा और दूसरे को मसलने दबाने लगा।

मैडम भी एकदम से गर्म हो गई थी और वो मेरा सर अपने मम्मों पर दबाने लगी थी।
चुदास के चलते वो मेरे कपड़े निकालने में लग गई.. तो मैंने उसकी मदद की और अपनी पैन्ट-शर्ट को निकाल दिया।

अब मैं सिर्फ अंडरवियर में रह गया था। मैंने भी अब उसका शॉर्ट्स निकाल दिया.. वो भी एक काली पैंटी में रह गई।

मैडम की चिकनी चूत

हम दोनों एक-दूसरे को इस कदर चूम रहे थे कि क्या बताऊँ.. क्या मजा आ रहा था यार..
मैं चूमते-चूमते अब उसकी चूत के पास पहुँच गया.. तो मैंने उसकी पैन्टी भी निकाल दी।
अय हय.. क्या मखमली चूत था यार.. एकदम गुलाबी बुर..

मेरे से तो रहा नहीं गया तो मैंने झट से अपना मुँह उसके चूत पर लगा दिया और चाटने लगा। वो तो पहले से सी इतना गर्म हो गई थी कि एकाध मिनट चाटने के बाद ही वो मेरे मुँह में झड़ गई, मैं उसके पूरा माल को चाट गया।

अब मैं खड़ा हुआ और मैंने अपना अंडरवियर निकाल दिया, तो उसका मुँह तो खुला का खुला रहा गया।
वो बोली- इतना बड़ा और मोटा.. मैं तो मर ही जाऊँगी।

मैं आपको बता दूँ कि मेरा लंड औसत भारतीय लौड़ों से काफी लंबा और मोटा है, यह एक

बड़े साइज़ के खीरे जैसा है।
मैंने हँसते हुए लौड़ा हिलाया और उसको मुँह में लेने को कहा।
तो वो नहीं मानी.. मैंने भी जोर नहीं दिया।

अब मैं उसके चूचे दबाने लगा.. उसके होंठों को किस करने लगा।
कुछ ही देर में जब उससे रहा नहीं जा रहा था तो कहने लगी- जानू अब रहा नहीं जाता.. जल्दी से अपना लंड पेल दो.. आह आह..

मैंने भी सोचा कि अब लोहा गर्म है हथौड़ा मार ही देना चाहिए। मैं एक तरफ पड़ी अपनी पैन्ट की जेब से कंडोम निकाल कर लाया और लौड़े पर लगाने ही वाला था कि उसने मना कर दिया- नहीं सुमित.. मुझे ऐसे ही करना है.. कंडोम के साथ नहीं..

चूत चुदाई

मैंने अपना नंगा लंड उसकी चूत पर रगड़ना चालू कर दिया तो वो मादक सिसकारियां लेने लगी, कहने लगी- जानू अब और ज्यादा मत तड़पाओ.. मुझसे रहा नहीं जा रहा है।

मैंने अपना लंड उसकी चूत के छेद पर रखा और हल्का सा धक्का दिया.. तो अभी थोड़ा सा ही घुसा था कि जोर से चीखने लगी- उई माँ.. मार डाला रे.. निकालो मुझे नहीं करवानी चुदाई.. ऐसे हाथी जैसे लंड से.. मैं मर जाऊँगी.. जल्दी से निकालो निकालो..

मैं थोड़ा सा रुका और उसे किस करने लगा ताकि उसका दर्द थोड़ा कम हो जाए। कुछ ही पलों बाद उसने अपनी कमर हिलाना चालू किया तो मैं समझ गया कि लौड़े ने जगह बना ली है और इसका दर्द कम हो गया है।

फिर थोड़ा सा अपने लंड को बाहर खींचा और पूरे जोर का धक्का मारा ताकि मेरा पूरा लंड

एक ही बार में अन्दर चला जाए। मैंने जोर का धक्का मारा.. तो मेरा पूरा लंड उसकी गुलाबी चूत को फाड़ते हुए सीधा उसकी बच्चेदानी से जा कर टकरा गया।

वो फिर जोर से चीखी- उई माँ.. मार डाला रे.. आह..ह..
वो हल्ला करने लगी, मैं एकाध मिनट शांत रहा, फिर जब मैडम अपनी गांड ऊपर उठाने लगी.. तो मैं भी अपने लंड को अन्दर-बाहर करने लगा।

उसके मुँह से लगातार सिसकारियां निकलने लगीं- आह आ..ह.. ओह.. सुमित.. और जोर से.. और जोर से.. आज मेरी चूत को पूरा फाड़ डालो.. आह्ह.. और जोर दे चोदो..

मैंने अपनी स्पीड को बढ़ा दिया, पूरे कमरे में उसकी कामुक सिसकारियां गूंजने लगीं। इस बीच वो एक बार झड़ चुकी थी। मैं तो अभी भी पूरे जोश में था.. तो मैं अपने पूरे शवाब में आकर लंड को अन्दर-बाहर करने लगा।
उसका माल निकलने के कारण अब उसको कुछ ज्यादा दर्द होने लगा था।

वो कहने लगी- सुमित अब हो गया.. रहने दो.. बहुत दर्द हो रहा प्लीज़.. छोड़ दो आह अहह..
मैं कहाँ सुनने वाला था, मैं तो अपनी धुन में चोदने में लगा था।

मैडम के मुँह से तो बस सिसकारियां निकल रही थीं।
अब वो भी फिर से थोड़ा-थोड़ा गर्म होने लगी.. तो मेरा पूरा साथ देने लगी मगर उसके मुँह से सिसकारियां कम होने का नाम ही नहीं ले रही थीं।

एक बार फिर उसके जिस्म में ऐंठन होने लगी और कुछ 15-20 धक्कों के बाद मुझे लगा कि मैं भी झड़ने वाला हूँ, मैंने पूछा- कहाँ निकालूँ ?
कहने लगी- अन्दर ही छोड़ दो.. अगर कुछ होता है.. तो मैं देख लूँगी।

अब उसका भी शरीर अकड़ने लगा.. मैं समझ गया कि ये फिर से जाने वाली है, मैंने भी अपनी स्पीड को बढ़ा दिया और अपना गर्म गर्म वीर्य उसकी चूत में भर दिया और उसके होंठों को चूमते हुए उसके ऊपर ही लेट गया।

उस दिन मैंने स्वीटी मैडम को 3 बार जम कर चोदा और आज वो मेरे माल से एक लड़की की माँ बन चुकी है।

मेरा कहानी आप लोगों को कैसी लगी.. रिप्लाई जरूर कीजिएगा। मुझे आप लोगों के मेल का इंतजार रहेगा।

asahu7130@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी बबली लंड की पगली-2

अब तक आपने मेरी इस सेक्स कहानी में पढ़ा कि मेरी पड़ोसन बबली मेरे साथ अपने बेडरूम में सेक्स का फोरप्ले कर रही थी. उसकी इच्छा थी कि मैं उसको पहले एक बार चोद दूँ … फिर अगले राउंड में […]
Full Story >>>

विदेशी महिला मित्र के साथ सेक्स सम्बन्ध

दोस्तो, मेरी पहेली सेक्स स्टोरी चंडीगढ़ में मेल एस्कॉर्ट जॉब को पसंद करने के लिए आप लोगों का बहुत धन्यवाद. मुझे आप सभी के बहुत सारे ईमेल मिले और इन सभी ईमेल में सबका एक ही सवाल था कि मेल […]
Full Story >>>

चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-3

दोस्तो … मैं आपका दोस्त जीशान, चाची और उनकी दोनों बहनों की चुदाई की कहानी का तीसरा भाग लेकर आ गया हूँ. पिछले भाग में आपने पढ़ा कि चाची की चुदाई के बाद उनकी दोनों बहनें घर आती हैं. मैं […]
Full Story >>>

फुफेरी भाभी को चोद कर माँ बनाया

दोस्तो, मेरा नाम निपिन है, मैं राजस्थान से हूँ. आपने मेरी पहली कहानी मेरी बहन की जवानी की प्यास पढ़ी होगी. ये मेरी दूसरी सेक्स कहानी है. मैं आशा करता हूं कि आप सभी को ये सेक्स कहानी पसंद आएगी. […]
Full Story >>>

माँ का यार, मेरा प्यार-2

कहानी का पिछला भाग : माँ का यार, मेरा प्यार-1 एक दिन मैं सर के पास टयूशन पढ़ रही थी। मैंने काले रंग की जीन्स टॉप पहना था। मैं थोड़ा झुक कर लिख रही थी। सवाल लंबा था, काफी समय लगा […]
Full Story >>>